गौरी के नंदन करूँ तेरा वंदन भजन लिरिक्स

गौरी के नंदन,
करूँ तेरा वंदन,
आकर के मेरा कारज सँवारो,
यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
रिद्धि-सिद्धि के संग आकर पधारो।bd।

तर्ज – ये माना मेरी जां।

बल बुद्धि विद्या मंगल के दाता,
तुम हो वरदाता भाग्य विधाता,
गौरा के प्यारे शिव के दुलारे,
विघ्न विनाशक स्वामी संकट निवारो,
यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
रिद्धि-सिद्धि के संग आकर पधारो।bd।

कानों में कुण्डल मुकुट सोहे माथे,
गले पुष्प माला फरसा है हाथे,
आते हैं सुनकर भक्तों की विनंती,
सच्चे हृदय से जब भी पुकारो,
यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
रिद्धि-सिद्धि के संग आकर पधारो।bd।

किये ऐसे कारज कि देवों ने माना,
प्रथम पूज्य तुमको दुनिया ने जाना,
हे मुक्तिदाता करें याद तुमको,
'परशुराम' चाहे दरशन तिहारो,
यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
रिद्धि-सिद्धि के संग आकर पधारो।bd।

गौरी के नंदन,
करूँ तेरा वंदन,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आकर के मेरा कारज सँवारो,
यही प्रार्थना है,
यही याचना है,
रिद्धि-सिद्धि के संग आकर पधारो।bd।

लेख एवं स्वर – परशुराम जी उपाध्याय।
श्रीमानस-मण्डल,वाराणसी।
9307386438

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com